भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्याः 4798
गुरुवार, 21 अगस्त, 2025/30 श्रावण, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

भारतीय घरेलू विमानन बाजार का विकास

4798. डॉ. प्रदीप कुमार पाणिग्रहीः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि भारतीय घरेलू विमानन बाजार में साल-दर-साल 7 प्रतिशत की वृद्धि के बावजूद, जून 2025 और जुलाई 2024 दोनों तिमाहियों की तुलना में जुलाई 2025 में एयरलाइन क्षमता में संकुचन हुआ है, जिससे भारतीय एयरलाइनों की वित्तीय स्थिति को लेकर चिंताएँ बढ़ रही हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उद्योग की आवर्ती वित्तीय अस्थिरता को देखते हुए, भारतीय एयरलाइनों के बीच वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा बनाई जा रही विशिष्ट नीतिगत हस्तक्षेप योजना का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार पिछले वित्तीय वर्ष (2024-25) के दौरान एयरलाइन के औसत ऋण, लाभप्रदता और परिचालन लागत के आंकड़े उपलब्ध करा सकती है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार में एयरलाइन विफलताओं को रोकने और उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए किसी नियामक सुधार पर विचार किया जा रहा है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क): अनुसूचित भारतीय एयरलाइनों द्वारा अनुसूचित घरेलू और अंतरराष्ट्रीय परिचालनों के लिए उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार एयरलाइनों की क्षमता (अर्थात एएसकेएम) में कोई कमी नहीं पाई गई है।

(ख) से (घ): मार्च 1994 में वायु निगम अधिनियम के निरस्त होने से भारतीय घरेलू विमानन क्षेत्र विनियंत्रण मुक्त हो गया है। संसाधन जुटाने और ऋण पुनर्गठन सहित वित्तीय और परिचालन संबंधी निर्णय, संबंधित एयरलाइनों द्वारा वाणिज्यिक महत्व के आधार पर प्रबंधित किए जाते हैं।

राष्ट्रीय नागर विमानन नीति 2016 के तत्वावधान में सरकार सरलीकृत नियमों और व्यापार सुगमता को बढ़ाकर इस क्षेत्र के विकास के लिए एक अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करती है। सरकार भारतीय एयरलाइन क्षेत्र की सतत वृद्धि और विकास को बढ़ावा देने के लिए इसकी आवश्यकताओं और चुनौतियों का सक्रिय रूप से समाधान करती है। उड़ान योजना जैसी पहलों ने वित्तीय सहायता के

माध्यम से क्षेत्रीय मार्गों पर एयरलाइनों की परिचालन व्यवहार्यता में सुधार किया है, जिससे लागत-प्रभावी संचालन संभव हुआ है।

वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिए प्रमुख अनुसूचित वाहकों के ऋण, लाभप्रदता और परिचालन लागत का विवरण **अनुलग्नक** में दिया गया है।

□□□□□□□□	□□□	□□ □□□□□ □□□/□□□□	□□□□□□□ □□□□
□□□ □□□□□□	2,68,796	-38,902	6,17,770

□□□□□□□□

□□□ □□□□□□ □□□□□□□□□□	6,175	-56,782	2,04,006
□□□□□ □□□	785	-19,834	60,905
□□□□□□	6,70,884	75,875	7,65,223
□□□□□□□□□□	8,860	-581	48,897

□□□□□□□ □□□□ **2024-2025** □□□ □□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□□□□□ □□ □□, □□ □□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□)₹ □□□□□□ □□□(

******